चेतनाचे कनिष्ठ वाणिज्य व कला महाविद्यालय वांद्रे पूर्व मुंबई ४०००५१.

कक्षा बारहवीं *वर्ष २०२१-२२* पूर्व परीक्षा * कृतिपत्रिका - हिंदी *अवधि ३* घण्टे अंक ८०

सूचना

१. सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यवहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही ऊत्तर लिखना आवश्यक हैं.

२. सभीं आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें.

३. सभीं आकृतियों में पेन से ही उत्तर लिखना आवश्यक हैं.

४. व्याकरण विभाग में पूछी गयी कृतियों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है.

कृति क्र. १. गद्य

कृति १. (अ) निम्नलिखित परीच्छेद ध्यानपूर्वक पढ़कर कृति पूर्ण कीजिए.

प्रभात का समय था, आसमान से बरसती हुई प्रकाश की किरणें संसार पर नवीन जीवन की वर्षा कर रही थीं । बारह घंटों के लगातार संग्राम के बाद प्रकाश ने अँधेरे पर विजय पाई थी । इस खुशी में फूल झूम रहे थे, पक्षी मीठे गीत गा रहे थे, पेड़ों की शाखाएँ खेलती थीं और पत्ते तालियाँ बजाते थे । चारों तरफ खुशियाँ झूमती थीं । चारों तरफ गीत गूँजते थे । इतने में साधुओं की एक मंडली शहर के अंदर दाखिल हुई । उनका खयाल था- मन बड़ा चंचल है । अगर इसे काम न हो, तो इधर-उधर भटकने लगता है और अपने स्वामी को विनाश की खाई में गिराकर नष्ट कर डालता है । इसे भक्ति की जंजीरों से जकड़ देना चाहिए । साधु गाते थे-

सुमर-सुमर भगवान को,
मूरख मत खाली छोड़ इस मन को ।

जब संसार को त्याग चुके थे, उन्हें सुर-ताल की क्या परवाह थी । कोई ऊँचे स्वर में गाता था, कोई मुँह में गुनगुनाता था । और लोग क्या कहते हैं, इन्हें इसकी जरा भी चिंता न थी । ये अपने राग में मगन थे कि सिपाहियों ने आकर घेर लिया और हथकड़ियाँ लगाकर अकबर बादशाह के दरबार को ले चले ।

यह वह समय था जब भारत में अकबर की तूती बोलती थी और उसके मशहूर रागी तानसेन ने यह कानून बनवा दिया था कि जो आदमी रागविद्या में उसकी बराबरी न कर सके, वह आगरे की सीमा में गीत न गाए और जो गाए, उसे मौत की सजा दी जाए । बेचारे बनवासी साधुओं को पता नहीं था परंतु अज्ञान भी अपराध है । मुकदमा दरबार में पेश हुआ । तानसेन ने रागविद्या के कुछ प्रश्न किए । साधु उत्तर में मुँह ताकने लगे । अकबर के होंठ हिले और सभी साधु तानसेन की दया पर छोड़ दिए गए ।

१) संजाल पूर्ण कीजिए (२)

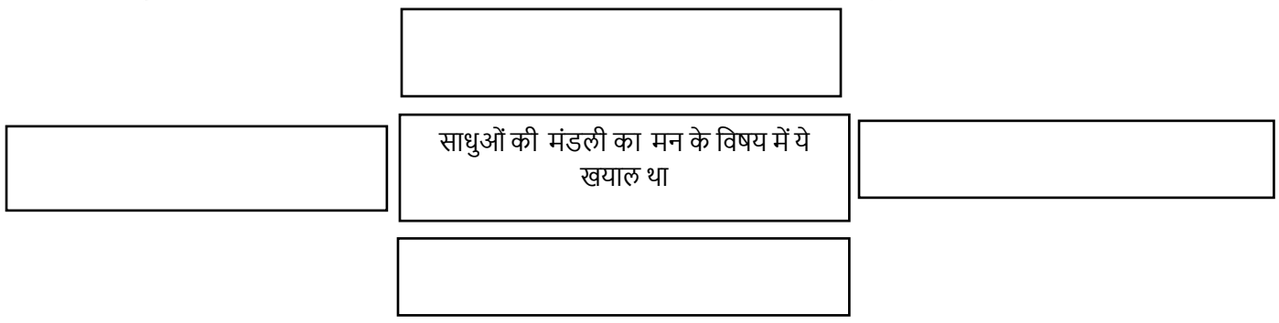

२)निम्नलिखित शब्दों के के अर्थ में प्रयुक्त समानार्थी शब्दों को परिच्छेद से ढूंढकर लिखिए (२)

१. भोर = ३. संघर्ष =
२. नया = ४. पंछी =

३).'मनुष्य जीवन में दया का महत्त्व', इस विषय पर लगभग ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए. (२)

कृति १ (आ) निम्नलिखित परीच्छेद ध्यानपूर्वक पढ़कर कृति पूर्ण कीजिए.

आइए, अब देखें कि ओजोन का विघटन क्यों और कैसे हो रहा है. जैसा कि हम जानते हैं कि दैनिक जीवन में कीटनाशक, प्रसाधन सामग्री, दवाएँ, रंग-रोगन से लेकर प्रशीतक (फ्रीज) और एयरकंडिशनिंग वगैरह में प्रशीतन का अहम स्थान है । सन १९३० से पहले प्रशीतन के लिए अमोनिया और सल्फर डाइ ऑक्साइड गैसों का इस्तेमाल होता था लेकिन उनके इस्तेमाल में अनेक व्यावहारिक कठिनाइयाँ थीं । उदाहरणार्थ - ये गैसें तीक्ष्ण थीं और मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक थीं । अत: वैज्ञानिकों को एक अरसे से इनके उचित विकल्प की तलाश थी जो इन कमियों से मुक्त हो । इस क्रम में तीस के दशक में थॉमस मिडले द्वारा क्लोरो फ्लोरो कार्बन (सी.एफ.सी.) नामक यौगिक की खोज प्रशीतन के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी उपलब्धि रही । अध्ययन से पाया गया कि ये रसायन सर्वोत्तम प्रशीतक हो सकते हैं क्योंकि ये रंगहीन, गंधहीन, अक्रियाशील होने के साथ-साथ अज्वलनशील भी थे । इस तरह ये आदर्श प्रशीतक सिद्ध हुए । इसके बाद तो प्रशीतन में सी.एफ.सी. का इस्तेमाल चल निकला । प्रशीतन उद्योग में अमोनिया और सल्फर डाइ ऑक्साइड की जगह सी.एफ.सी. ने ले ली । इससे प्रशीतन प्रौद्योगिकी में एक क्रांति-सी आ गई । तदनंतर बड़े पैमाने पर सी.एफ.सी. यौगिकों का उत्पादन होने लगा और घरेलू कीटनाशक, प्रसाधन सामग्री, दवाएँ, रंग-रोगन से लेकर फ्रीज और एयरकंडिशनर में इनका खूब इस्तेमाल होने लगा ।

१) संजाल पूर्ण कीजिए (२)

	इनमें में प्रशीतन का अहम स्थान है	

२) निम्नलिखित शब्दों के के अर्थ में प्रयुक्त विरुद्धार्थी शब्दों को परिच्छेद से ढूंढकर लिखिए (२)

१. दोयम x २. अव्यावहारिक x ३. अस्वास्थ्य x ४. उपकारक x

३) 'पर्यावरण रक्षा में हमारा योगदान' इस विषय के संदर्भ मे लगभग ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

कृति १ (इ) निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक उत्तर लगभग ६० से ८० शब्दों में हो. (६)

१. 'उड़ो बेटी, उड़ो ! पर धरती पर निगाह रखकर', इस पंक्ति में निहित सुगंधा की माँ के विचार स्पष्ट कीजिए ।
२. 'पाप के चार हथियार' कहानी का संदेश लिखिए ।
३. 'आदर्श बदला' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

कृति १. (ई) निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के एक-एक वाक्य में ऊत्तर लिखिए. (२)

१. सुदर्शन जी का मूल नाम लिखिए.
२. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी के निबंध संग्रहों के नाम लिखिए.
३. डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र जी की किन्हीं दो रचनाओ के नाम लिखिए.
४. आशारानी व्होरा जी के लेखन कार्य का प्रमुख उद्देश्य लिखिए.

कृति क्र. २. पद्य

कृति २. (अ) निम्नलिखित पद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़कर कृति पूर्ण कीजिए.

दाता है पेड़

जड़, तना, शाखा, पत्ती, पुष्प, फल और बीज
हमारे लिए ही तो है पेड़ की हर एक चीज !
किसी ने उसे पूजा,
किसी ने उसपर कुल्हाड़ी चलाई
पर कोई बताए
क्या पेड़ ने एक बूँद भी आँसू की गिराई?
हमारी साँसों के लिए शुद्ध हवा
बीमारी के लिए दवा
शवयात्रा, शगुन या बारात
सभी के लिए देता है पुष्पों की सौगात

आदिकाल से आज तक
सुबह-शाम, दिन-रात
हमेशा देता आया है मनुष्य का साथ
कवि को मिला कागज, कलम, स्याही
वैद, हकीम को दवाई
शासन या प्रशासन
सभी के बैठने के लिए
कुर्सी, मेज, आसन
जो हम उपयोग नहीं करें
वृक्ष के पास ऐसी एक भी नहीं चीज है
जी हाँ, सच तो यह है कि
पेड़ संत है, दधीचि है ।

१) संजाल पूर्ण कीजिए (२)

	हमेशा देता आया है मनुष्य का साथ	

२) उचित जोड़ियाँ मिलाइए :- (२)

"अ"	"ब"
(१) हकीम को	(१) शुद्ध हवा
के बैठने के लिए	(२) पुष्पों की सौगात
(४) बारात के लिए देता है	(४) दवाई
	(३) हमारी साँसों के लिए
	(२) सभी
	(३) कुर्सी,

३) "भारतीय संस्कृति में पेड़ का महत्त्व", इस पर लगभग ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

कृति २ (आ) निम्नलिखित पद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़कर कृति पूर्ण कीजिए.

जलि मोह घसि मसि करि,
मति कागद करि सारु,
भाइ कलम करि चितु, लेखारि,
गुरु पुछि लिखु बीचारि,
लिखु नाम सालाह लिखु,
लिखु अंत न पारावार ।। २ ।।

मन रे अहिनिसि हरि गुण सारि ।
जिन खिनु पलु नामु न बिसरे ते जन विरले संसारि ।
जोति-जोति मिलाइये, सुरती-सुरती संजोगु ।
हिंसा हउमें गतु गए नाहीं सहसा सोगु ।
गुरु मुख जिसु हार मनि बसे तिसु मेले गुरु संजोग ।। ३ ।।

१) संजाल पूर्ण कीजिए (२)

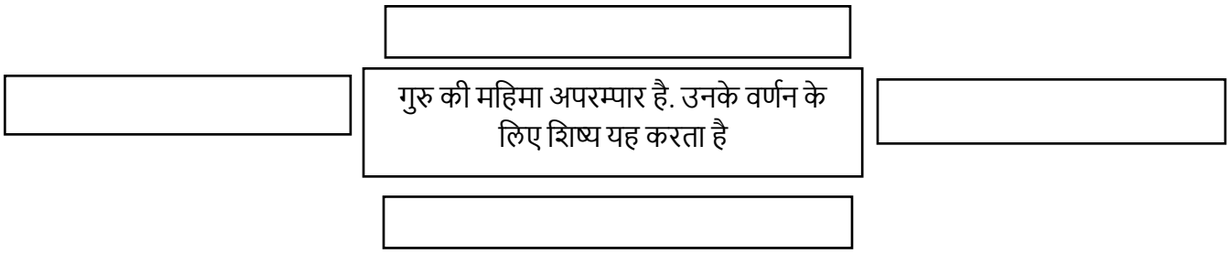

२) निम्नलिखित शब्दसमूह के लिए कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर शब्दसमूह के सामने लिखिए । (२)
(पारावार विरले गुरू अहिनिसि)
१. दिन और रात २. सत् का बोध कराने वाले ३. जिसकी सीमा ना हो ४. अत्यंत कम मात्रा में

३) 'गुरु बिन ज्ञान न होई' के संदर्भ मे लगभग ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

कृति २ (इ) जीवन के अनुभवों और वास्तविकता से परिचित कराने वाले वृंद जी के दोहों का रसास्वादन कीजिए । (६)

अथवा

कृति २ (इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर चतुष्पदियों का रसास्वादन कीजिए

(१) रचनाकार का नाम -
(२) पसंद की पंक्तियाँ –
(३) पसंद आने के कारण -
(४) कविता का केंद्रीय भाव -

कृति २ (ई) निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के एक-एक वाक्य में ऊत्तर लिखिए. (२)
१) कैलाश सेंगर जी की प्रसिद्ध रचनाओं के नाम लिखिए.
२)'नयी कविता' के अन्य कवियों के नाम लिखिए.
३) गुरु नानक जी की रचनाओं के नाम लिखिए.
४)गजल किस भाषा का लोकप्रिय काव्य प्रकार है ?

कृति क्र. ३. विशेष अध्ययन

कृति ३ (अ) निम्नलिखित परीच्छेद ध्यानपूर्वक पढ़कर कृति पूर्ण कीजिए.

सेतु : मैं

नीचे की घाटी से
ऊपर के शिखरों पर
जिसको जाना था वह चला गया-
हाय मुझी पर पग रख
मेरी बाँहों से
इतिहास तुम्हें ले गया !

सुनो कनु, सुनो
क्या मैं सिर्फ एक सेतु थी तुम्हारे लिए
लीलाभूमि और युद्धक्षेत्र के
अलंघ्य अंतराल में !
अब इन सूने शिखरों, मृत्यु घाटियों में बने
सोने के पतले गुँथे तारोंवाले पुल-सा
निर्जन
निरर्थक
काँपता-सा, यहाँ छूट गया-मेरा यह सेतु जिस्म
-जिसको जाना था वह चला गया

१) संजाल पूर्ण कीजिए (२)

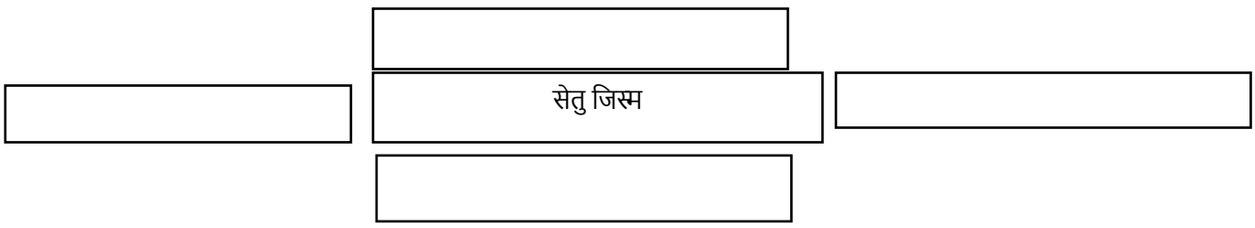

२) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए. (२)

१. बाँह २. सूना ३ घाटी ४.हमारा

'वृक्ष की उपयोगिता', इस विषय पर लगभग ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

कृति ३ (इ) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का लगभग ६० से ८० शब्दों में उत्तर लिखिए. (४)

१). 'कवि ने राधा के माध्यम सेआधुनिक मानव की व्यथा को शब्दबद्ध किया है', इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

२). राधा की दृष्टि से जीवन की सार्थकता बताइए ।

कृति क्र. ४. व्यावहारिक हिंदी

कृति ४ (अ) निम्नलिखित प्रश्न का लगभग १०० शब्दों में ऊत्तर लिखिए. (६)

'लालच का फल बुरा होता है', इस उक्ति का विचार पल्लवन कीजिए ।

अथवा

कृति ४ (अ)निम्नलिखित परिच्छेद ध्यानपूर्वक पढ़कर कृति पूर्ण कीजिए

उसकी यादों में वह दिन तैर गया... जब उसे पत्रकारिता कोर्स में फीचर लेखन पर व्याख्यान देने के लिए बुलाया गया था । हॉल विद्यार्थियों से खचाखच भरा हुआ था । आज उसे अपने परिश्रम सार्थक होते नजर आ रहे थे । फीचर लेखन पर स्नेहा ने बोलना प्रारंभ किया । रोचक प्रसंगों के साथ स्नेहा विद्यार्थियों को फीचर लेखन की विशेषताएँ बताने लगी, "अच्छा फीचर नवीनतम जानकारी से परिपूर्ण होता है । किसी घटना की सत्यता अथवा तथ्यता फीचर का मुख्य तत्त्व है । फीचर लेखन में राष्ट्रीय स्तर के तथा अन्य महत्त्वपूर्ण विषयों का समावेश होना चाहिए क्योंकि समाचारपत्र दूर-दूर तक जाते हैं । इतना ही नहीं; फीचर का विषय समसामयिक होना चाहिए ।फीचर लेखन में भावप्रधानता होनी चाहिए क्योंकि नीरस फीचर कोई नहीं पढ़ना चाहता । फीचर के विषय से संबंधित तथ्यों का आधार दिया जाना चाहिए ।" स्नेहा आगे बोलती जा रही थी, "विश्वसनीयता के लिए फीचर में विषय की तार्किकता को देना आवश्यक होता है । तार्किकता के बिना फीचर अविश्वसनीय बन जाता है । फीचर में विषय की नवीनता का होना आवश्यक है क्योंकि उसके अभाव में फीचर अपठनीय बन जाता है । फीचर में किसी व्यक्ति अथवा घटना विशेष का उदाहरण दिया गया हो तो उसकी संक्षिप्त जानकारी भी देनी चाहिए । पाठक की मानसिक योग्यता और शैक्षिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखकर फीचर लेखन किया जाना चाहिए । उसे प्रभावी बनाने हेतु प्रसिद्ध व्यक्तियों के कथनों, उद्धरणों, लोकोक्तियों और मुहावरों का प्रयोग फीचर में चार चाँद लगा देता है । फीचर लेखक को निष्पक्ष रूप से अपना मत व्यक्त करना चाहिए जिससे पाठक उसके विचारों से सहमत हो सके । इसके लेखन में शब्दों के चयन का अत्यंत महत्त्व है । अत: लेखन की भाषा सहज, संप्रेषणीयता से पूर्ण होनी चाहिए । फीचर के विषयानुकूल चित्रों, कार्टूनों अथवा फोटो का उपयोग किया जाए तो फीचर अधिक परिणामकारक बनता है ।"

१) संजाल पूर्ण कीजिए (२)

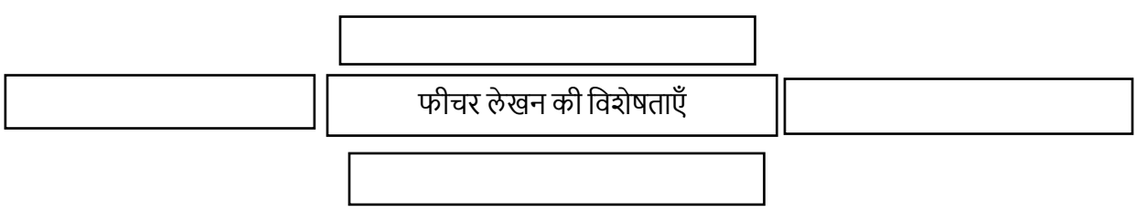

२) निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्द छाँटकर लिखिए. (२)

१. पाठ्यक्रम २. कक्ष ३. छायाचित्र ४. व्यंगचित्र

'जीवन में आगे बढ़ने के लिए तथा रोजगार प्राप्त करने के लिए प्रयोजनमूलक हिंदी के अध्ययन की आवश्यकता है । इस विषय पर लगभग ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

कृति ४ (आ) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ६० से ८० शब्दों में हो. (४)

१. उत्तम मंच संचालक बननेके लिए आवश्यक गुण विस्तार से लिखिए ।

२. 'ऑनलाईन अध्ययन' पर फीचर लेखन कीजिए.

अथवा

कृति ४ (आ) सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए.

१. ब्लॉग तैयार करने के लिए गुगल में..... होना आवश्यक है ।

अ) जी मेल अकाऊँट आ) ई मेल अकाऊँट इ) प्ले स्टोअर अकाउंट ई) गुगल अकाउंट

२) शासकीय एवं राजनीतिक समारोह के सूत्र संचालन में ..... का बहुत ध्यान रखना पड़ता है

अ) अलंकारिक भाषा आ) फोटोग्राफी इ) प्रोटोकॉल ई) सत्कार

३) विषय का औचित्यपूर्ण शीर्षक फीचर की .... है

अ) संक्षिप्तता आ) रोचकता इ) जिज्ञासावर्धक ई) आत्मा

४) पल्लवन में सूक्ति, उक्ति, पंक्ति या काव्यांश का .....किया जाता है ।

अ) प्रकटन आ) विस्तार इ) स्पष्टीकरण ई) विश्लेषण

कृति ४ (इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़कर कृति पूर्ण कीजिए

हम रसायनों के युग में रह रहें हैं। हमारे पर्यावरण की सारी वस्तुएँ और हम सब, रासायनिक यौगिकों के बने हुए हैं। हवा, मिट्टी , पानी, खाना, वनस्पती और जीव-जंतु ये सब अजूबे जीवन की रासायनिक सच्चाई ने पैदा किए हैं। प्रकृति में सैकड़ों-हजारों रासायनिक पदार्थ हैं। रसायन न होते तो इस धरती पर जीवन भी नहीं होता । पानी, जो जीवन का आधार है, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से बना एक यौगिक है। मधुर-मीठी चीनी कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन से बनी है। कोयला और तेल, बीमारीयों से मुक्ति दिलाने वाली औषधीयाँ, एंटीबायोटीक्स, एस्पीरिन और पेनीसिलीन, अनाज, सब्जियाँ, फल और मेवे सभी तो रसायन हैं।

जीवन जोखिम से भरा है, गुफा-मानव ने जब भी आग जलाई, उसने जल जाने जाने का खतरा उठाया। जीवन-यापन के आधुनिक तरीकों में कुछ खतरों को कम किया गया है, पर कुछ खतरे अनेक गुना बढ़ गए हैं। ये खतरे नुकसान और शारीरिक चोट के रुप में हैं। हम सभी अपने दैनिक जीवन में जोखिम उठाते हैं। जैसै जब हम सड़क पार करते हैं, स्टोव जलाते हैं, कार में बैठते हैं, खेलते हैं, पालतू जानवरों को दुलारते हैं, घरेलू काम-काज करते हैं या केवल पेड़ के नीचे बैठे होते हैं, तो हम जोखिम उठा रहे होते हैं। इन जोखिमों में से कुछ तात्कालिक हैं, जैसे जलने का, गिरने का या अपने ऊपर कुछ गिर जाने का खतरा.

१) संजाल पूर्ण कीजिए (२)

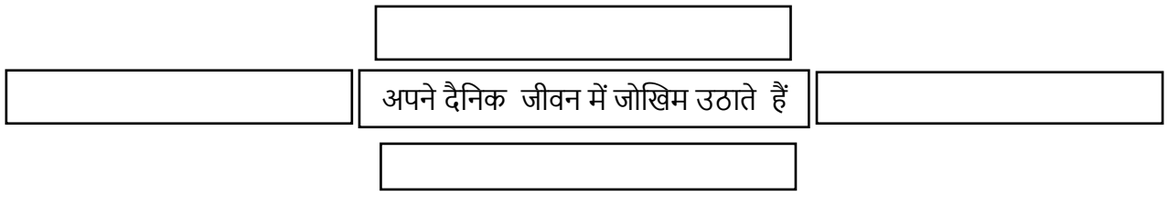

२) शब्द युग्म को गद्यांश के आधार पर पूर्ण कीजिए : (२)

१.जीव- २ काम- ३ मधुर- ४सैकड़ों-

३) 'हम रसायनों के युग में रह रहें हैं' इस संदर्भ मे लगभग ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

कृति ४ (ई) निम्नलिखित में से किन्ही चार शब्दो के हिंदी पारिभाषिक शब्द लिखिए. (४)

Announcer
Interpreter
Judge
Eligibility

Apex bank
Balance
Payment
Temporary

कृति क्र. ५ व्याकरण

कृति ५ (अ) कोष्ठक की सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कर वाक्य फिर से लिखिए. (कोई दो) (२)

१) एक-एक क्षण आपको भेंट कर देता हूँ । (सामान्य भविष्यकाल)
२) मौसी कुछ नहीं बोल रही थी । (अपूर्णवर्तमानकाल)
३) सुधारक आते हैं । (पूर्ण भूतकाल)
४) बैजू का लहू सूख गया है । (सामान्य भूतकाल)

कृति ५ (आ) निम्नलिखित काव्य पंक्तियाँ पढकर उसमें निहित अलंकार पहचान कर अलंकार का नाम लिखिए. (कोई दो) (२)

१. चरण-सरोज पखारन लागा ।

२.चरण-कमल-सम कोमल

३. उस क्रोध के मारे तनु उसका काँपने लगा ।

मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा ।।

४. पत्रा ही तिथि पाइयों, वाँ घर के चहुँ पास

नितप्रति पून्यो रहयो, आनन-ओप उजास

कृति ५ (इ) निम्नलिखित काव्य पंक्तियाँ पढकर उसमें निहित रस पहचान कर रस का नाम लिखिए. (कोई दो) (२)

१.कहा - कैकयी ने सक्रोध

दूर हट ! दूर हट ! निर्बोध !

द्विजिव्हे रस में, विष मत घोल ।

२. सिर पर बैठो काग, आँखि दोऊ खात

खींचहि जींभहि सियार अतिहि आनंद उर धारत ।

गिद्ध जाँघ के माँस खोदि-खोदि खात, उचारत हैं ।

३.बिनु-पग चलै, सुनै बिनु काना ।

कर बिनु कर्म करै, विधि नाना ।
आनन रहित सकल रस भोगी ।
बिनु वाणी वक्ता, बड़ जोगी ।।

४.कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात ।
भरे भौन में करत हैं, नैननु ही सौं बात ।।

कृति ५ (ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए. (कोई दो) (२)

१ दिन दूना रात चौगुना बढ़ना २ एक और एक ग्यारह ३ सितारा चमकना ४ चार चाँद लगाना

कृति ५ (उ) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कर वाक्य फिर से लिखिए. (कोई दो) (२)

१) परंतु अग्यान भी अपराध है ।
२) एक मैं सफल सूत्र संचालक के रूप में प्रसिद्ध हो गया ।
३) दिलीप अपने माँ-बाप की इकलौती संतान थी ।
४) आप इस शेष लिफाफे को खोलकर पढ़ लीजिए ।

●●●